# एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनू (राजस्थान)

बुधवार, दिनांक : 04 सितम्बर, 2013 (दूसरा दिन) पहली गतिविधि–1

## नवलगढ़ ई–लाईब्रेरी से विद्यार्थियों को मिल रही है नई राह

मोरारका फाउण्डेशन ने नवलगढ़ में पहला 22वीं सदी का ई–पुस्तकालय खोला है जहां पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत माहौल में उच्च गुणवत्ता की मशीनों एवं हाई स्पीड इंटरनेट द्वारा संसार भर की सूचनाएँ एक क्लिक पर उपलब्ध है। यहां उपलब्ध क्लाइन्ट सर्वर मॉडल आधारित कम्प्यूटर्स के जरिये आधुनिक विश्व की समस्त सूचनाएँ प्राप्त करने के साथ–साथ ई–पुस्तकों एवं ई–पत्र–पत्रिकाओं को पढ़ने की सुव्यवस्था, ऑनलाइन पाठ्यक्रम द्वारा तेजी से बदलते विज्ञान को समझना व सूचनाओं को घटित होते ऑन लाईन देखना व सुनना विद्यार्थियों एवं आमजन हेतु उपलब्ध है। इंटरनेट आधारित शिक्षा एवं इंटरनेट सर्फिंग, आधुनिक तकनिकी सूचना आधारित ई–पुस्तकें एवं कम्प्यूटर तकनीक से जुड़ी तमाम जानकारियाँ भी यहाँ उपलब्ध है।

नवलगढ़ ई–लाईब्रेरी में आमजन एवं विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को डॉक्यूमेन्ट्री फिल्मों के द्वारा आधुनिक विश्व की तमाम जानकारियाँ मिल रही है जैसे प्लेनेट अर्थ, कैरियर सम्बन्धित सलाह, इंग्लिश लर्निंग, पृथ्वी की भौतिक सतह से सम्बंधित, मानव शरीर से सम्बंधित, मैथ्स के सवालों को तीव्र गति से हल करने का आसान तरीका, मेडिटेशन के तरीके, व्यक्तित्व विकास के तरीके, विभिन्न धर्मों की जानकारियाँ, पर्यावरण विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बढ़ते हुए विकास से सम्बंधित जानकारियाँ मिल रही है।

आज आधुनिक युग में किसी व्यक्ति को कम्प्यूटर ज्ञान नहीं है तो वह व्यक्ति निरक्षर के समान है। इस कमी को दूर करने के लिये मोरारका फाउण्डेशन निरन्तर प्रयास कर रहा है। बैंगलोर, दिल्ली, मुम्बई आज IT के HUB जाने जाते है लेकिन नवलगढ़ जैसे छोटे शहर में अभी भी बच्चों को IT का ज्ञान नहीं है। मोरारका फाउण्डेशन ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हुए, ग्रामीण क्षेत्र की इस कमी को दूर करने के लिए नवलगढ़ नगरपालिका भवन में अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित ई–लाईब्रेरी बनाई है, जो पिछले 10 माह से सुचारू रूप से चल रही है। इस लाईब्रेरी की मदद से बच्चे, बड़े–बूढ़े, महिलाऐं आधुनिक शिक्षा का भरपूर लाभ उठा रहे है। आज ई–लाईब्रेरी में नियमित रूप से 172 बच्चे रजिस्टर्ड है तथा 5000 से अधिक बच्चों ने Educational Videos की Documentary देखकर अपने ज्ञान को बढ़ाया है तथा सूचना तकनीक के बढते हुए युग को महसूस किया है। बच्चों ने ऑनलाईन शिक्षा के माध्यम से ना केवल कम्प्यूटर चलाना सीखा है वरन् Software Development, Website Development, Adobe Photoshop व विभिन्न कम्प्यूटर Languages भी ऑनलाईन माध्यम से सीख रहे हैं। बुजुर्ग व्यक्ति यहाँ योग, ध्यान लगाना एवं महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के पकवान बनाना सीखा है। इस वर्ष समर वैकेशन कैम्प में छोटे–बड़े बच्चों के लिए अलग–अलग आधुनिक शिक्षा के प्रोग्राम चलाये गये। जिसमें नवलगढ़ की 100 स्कूलों ने तथा कॉलेज के छात्रों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

***कार्यक्रम समन्यवयक***
***मोरारका फाउण्डेशन***